आज का पुरुषार्थ 15 Oct 2022

Source: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

धारणा – *"आज से स्वयं को ऐसे रॉयल बनाने में जुट जाये कि .. हमारे संकल्प .. बोल .. कर्म .. सभी आत्माओं को अपने सत्य बाबा का परिचय देते चले "*

हम सभी ईश्वरीय परिवार की महान आत्मायें है। देवकुल की भी महान आत्मायें है। इस सृष्टि के हीरों एक्टर है। हम बहुत रॉयल है।

हमें अपने अंदर रॉयल संस्कार भरने है। दैवीगुणों से स्वयं को सम्पन्न करना है। ताकि जो भी हमें देखें वह मेहसूस करे ...

यह संसार से अलग है .. यह हम जैसे नहीं है .. यह रॉयल कुल के मनुष्य है

उनमें से सबसे बड़ी royalty →

' कम बोलना, धीरे बोलना, शान्त रहना, नम्र रहना '

जो व्यक्ति अहंकारी है उसे कोई भी royal नहीं मानते है। हमने देखा →

' जो आत्मायें योगयुक्त होकर चलती है उनका चलना भी दुसरों को रॉयल लगता है '

... जो योगयुक्त होकर भोजन करता है उनका भोजन करना भी रॉयल लगता है।

... जो दुसरों को आत्मिक दृष्टि से देखते है उनका देखना भी बड़ा अलौकिक लगता है।

हम सभी इन सभी दैवी गुणों से स्वयं को भरपूर करते चले। और यही बाबा के वह महावाक्य है कि →

' तुम्हारा चेहरा और तुम्हारी चलन ही सबकी सेवा करेगी .. सबको बाबा की ओर आकर्षित करेगी '

हम यह जान ले कि →

' हमारी सबसे बड़ी रॉयल्टी हमारी प्योरीटी है '

.. प्युयोर संस्कार हमारे जैसे जैसे बढ़ते जाते है हमारी रॉयल्टी बढ़ती जाती है।

अन्यथा क्या होता है? काम ही क्रोध को जन्म देता है। काम से ही मनुष्य के अंदर आसक्तियाँ आती है।

और यह काम ही है जो मनुष्य को लोभी बना देता है। उसको अहंकारी बना देता है। ईर्ष्या द्वेष तेरे मेरे में फंसा देता है। देह अभिमान और देह के आकर्षण का रोग लगा देता है।

जो काम को जीत लेता है उनका क्रोध स्वतः ही समाप्त हो जाता है। पवित्र बनने के कारण उनको इतना आनन्द मिलने लगता है कि संसार की इच्छायें उन्हें गौण प्रतीत होने लगता है।

कर्मेन्द्रियों का रस उनके लिए नीरस बन जाता है। सबसे बड़ा **आनन्द** यह प्योरीटी का आनन्द ही है। इसलिए **योगबल** से हम अपने प्युयोर संस्कार को आगे बढ़ाते चले।

हमारी प्योरिटी इस संसार के लिए बहुत बड़ी चीज होगी ..

' यह श्रृंगार है इस संसार का ' .. थोड़ी भी पवित्र आत्मायें अपने पवित्र वायब्रेशन्स द्वारा प्रकृति को पावन कर देगी। इस सृष्टि को महान बना देगी।

इस **कल्पवृक्ष** के हम master बीज भी है, जड़े भी है। हमारे **purity के वायब्रेशन्स पूरे कल्पवृक्ष में फैलती है।** और सभी धर्मों की आत्माओं को उनसे बल मिलता है।

तो आज हम यह बहुत अच्छा **अभ्यास करेंगे कि →**

' पूरा कल्पवृक्ष हमारे सिर के ऊपर है .. और हमसे प्युयोर वायब्रेशन्स एक एक पत्ते तक जा रहे है .. जैसे हम कल्पवृक्ष के .. सम्पूर्ण सृष्टि के .. आधार मूर्त और उद्धार मूर्त है '

तो आइये हम →

' प्योरीटी के बल को बढ़ाकर अपने संस्कारों को रॉयल करे .. अपने चाल चलन को बहुत महान बनायें '

जो आत्मा रॉयल होती है →

' वह बहुत संतुष्ट होती है .. उसकी चित्त में सभी के लिए प्रेम होता है .. उसकी वाणी में कहीं भी कटुता नहीं दिखाई देती है '

उसका एक एक वचन दुसरों का कल्याण करने वाला होता है .. और जब वे चलते है तो लोगों को ऐसा लगता है फ़रिश्ते चल रहे है .. हंस की चाल होती है उनकी।

हम सभी रॉयल बाप के महान और रॉयल बच्चे है। आज चिन्तन करे →

"मेरे हर कर्म से लोगों को रॉयल्टी दिखाई दे .. मेरी हर एक्टिविटी रॉयल हो"

यही हमारी रॉयल्टी होगी। तो आज सारा दिन **अभ्यास करेंगे** →

" मैं विश्व की आधार मूर्त और उद्धार मूर्त आत्मा हूँ .. **सृष्टि की स्थिति का आधार मेरी स्थिति है** "

और ..

' मेरे सिर के ऊपर ही पूरे कल्पवृक्ष है "

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org